सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

दैनिक सांध्यकालीन

कानपुर, शुक्रवार, 24 अक्टूबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 282, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

आईएसआईएस मॉड्यूल का पर्दाफाश, स्पेशल सेल ने दो आतंकी दबोचे

» Pg12

इनसाइड प्रेम प्रस्ताव ठुकराने पर रिसेप्शनिस्ट को बंधक बना... » Pg02

थप्पड़बाजी का वीडियो हुआ था वायरल

राजस्थान के एसडीएम छोटू लाल शर्मा सस्पेंड!

पेट्रोल पंप पर कर्मचारी रौब झाड़ने और झूठी एफआईआर कराने के मामले में सीएम भजन लाल शर्मा का ऐक्शन

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने आज गुरुवार को प्रतापगढ़ जिला मुख्यालय में सहायक निदेशक (लोक सेवा) छोटू लाल शर्मा को निलंबित कर दिया। प्रतापगढ़ के एसडीएम छोटू लाल शर्मा ने मंगलवार को भीलवाड़ा के एक पेट्रोल पंप पर एक कर्मचारी को थप्पड़ मारा था। शर्मा ने भीलवाड़ा जिले में अजमेर-भीलवाड़ा नेशनल हाईवे पर जसवन्तपुरा स्थित एक सीएनजी पंप जमकर हंगामा किया था। उनकी कार में पहले ष्टह्वन भरवाने को लेकर पेट्रोल पंप कर्मचारियों और उनके बीच हाथापाई हो गई।

पहले एसडीएम ने कर्मचारी को थप्पड़ मारा था। इसके बाद कर्मचारी ने भी कई थप्पड़ एसडीएम को जड़ दिए। पुलिस ने बताया कि भीलवाड़ा जिले के जसवंतपुरा इलाके में आरएएस अधिकारी को थप्पड़ मारने की घटना के सिलसिले में पेट्रोल पंप के तीन कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है। इस घटना का वीडियो सामने आने के बाद अधिकारी विवादों में घिर गए हैं।

जमानत पर छूटे पेट्रोल पंप कर्मचारी

मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से जारी आदेश में कहा गया है, सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) अधिनियम 1958 की धारा 13 के अनुसार, आरएएस अधिकारी छोटूलाल शर्मा को तत्काल निलंबित किया जाता है। इस अवधि के दौरान, वह जयपुर में कार्मिक विभाग को रिपोर्ट करेंगे। राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी छोटू लाल शर्मा की कार से पहले एक अन्य कार में सीएनजी भरने को लेकर हुए विवाद के बाद यह बहस शुरू हुई। पुलिस के अनुसार शर्मा ने कर्मचारी द्वारा दूसरी कार में सीएनजी भरने पर आपत्ति जताते हुए तर्क दिया कि उनकी कार में पहले सीएनजी भरी जानी चाहिए क्योंकि वह पहले पहुंचे थे।

सोशल मीडिया पर छाए

यह घटना मंगलवार को हुई जब प्रतापगढ़ में उप-विभागीय मजिस्ट्रेट के पद पर कार्यरत छोटू लाल शर्मा की एक पेट्रोल पंप के कर्मचारी के साथ तीखी बहस हो गई। वह सीएनजी भी बेचता है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में छोटू लाल शर्मा एक पेट्रोल पंप कर्मचारी को थप्पड़ मारते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शर्मा ने अपनी पत्नी दीपिका व्यास के साथ कथित तौर पर अनुचित व्यवहार करने पर एक कर्मचारी को थप्पड़ मारा। व्यास ने आरोप लगाया कि जब उनका परिवार कार में बैठा था, तब पेट्रोल पंप के कुछ कर्मचारी अश्लील इशारे कर रहे थे। घटना के बाद, उनकी पत्नी की शिकायत पर पेट्रोल पंप के तीन कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया। बाद में जमानत पर उन्हें रिहा कर दिया गया।

आत्महत्या

सतारा की पीड़ित महिला डॉक्टर ने दे दी जान, जांच में जुटी पुलिस

चार महीने तक एसआई ने किया रेप, हाथ पर लिखा सुसाइड नोट

» सतारा (महाराष्ट्र), एजेंसी।

महाराष्ट्र के सतारा जिले से महिला डॉक्टर के आत्महत्या का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। पुलिस को मृतका के हाथ पर सुसाइड नोट लिखा हुआ मिला है, जिसमें उसने एक पुलिस सब-इंस्पेक्टर पर रेप और मानसिक रूप से परेशान करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही सुसाइड नोट के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। इस घटना से हर कोई सकते में है।

सतारा के फलटण स्थित उपजिला अस्पताल में कार्यरत महिला डॉक्टर ने गुरुवार देर रात आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान डॉ. संपदा मुंडे के तौर पर हुई है। इस घटना से फलटण उपजिला अस्पताल और पूरे मेडिकल जगत में गहरा शोक व्याप्त है। जानकारी के अनुसार, डॉ. संपदा मुंडे ने फलटण शहर के एक होटल में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। उनकी आत्महत्या का सही कारण अभी स्पष्ट नहीं है।

इस मामले में पुलिस सब-इंस्पेक्टर (पीएसआई) गोपाल बदने और अन्य पुलिसकर्मी प्रशांत बनकर को आरोपी बनाया गया है। सूत्रों के अनुसार, पिछले कुछ महीनों से वह पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के बीच विवाद में उलझी हुई थीं। डॉ. मुंडे एक मेडिकल जांच मामले को लेकर पुलिस के साथ हुए विवाद को लेकर सुर्खियों में थीं। इस मामले के बाद उनके खिलाफ आंतरिक जांच शुरू की गई थी। इस जांच के दौरान, उन्होंने अपने वरिष्ठ अधिकारियों के पास लिखित शिकायत दर्ज कराई थी।

शिकायत को किया नजरअंदाज

इस शिकायत में उन्होंने साफ तौर पर कहा था कि उनके साथ अन्याय हो रहा है और वे आत्महत्या कर लेंगी। हालाँकि, कहा जा रहा है कि वरिष्ठ अधिकारियों ने इस गंभीर शिकायत को नजरअंदाज कर दिया। लगातार मानसिक तनाव और प्रशासनिक कठिनाइयों से तंग आकर, डॉ. संपदा मुंडे ने अपनी जान देने का फैसला कर लिया। फलटण पुलिस स्टेशन में घटना की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस डॉ. संपदा मुंडे की आत्महत्या के पीछे के वास्तविक कारण की गहन जांच कर रही है।

जांच के दौरान पुलिस को मृतक के हाथ से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें उसने एक पुलिस अधिकारी पर रेप और 4 महीने तक मानसिक रूप से परेशान करने के आरोप लगाए है। पुलिस ने सुसाइड नोट के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्रेम प्रस्ताव ठुकराने पर रिसेप्शनिस्ट को बंधक बनाकर किया दुष्कर्म

» हाथ-पैर बांधकर छह घंटे तक रखा बंधक, मुंह में ठूंसा कपड़ा

» चकेरी पुलिस ने आरोपी होटल संचालक को किया गिरफ्तार

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। लव प्रपोजल ठुकराने पर होटल संचालक ने अपनी रिसेप्शनिस्ट के साथ दरिंदगी की हदें पार कर दीं। आरोपी ने 21 वर्षीय युवती को जबरन कमरे में बंद कर रस्सियों से हाथ-पैर बांध दिए और छह घंटे तक बंधक बनाकर दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी होटल संचालक को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना कोयला नगर स्थित होटल ट्विंकल गैलेक्सी की है, जहां पीड़िता एक साल से रिसेप्शनिस्ट के तौर पर काम कर रही थी। आरोपी मनोज कुमार पटेल, निवासी आदर्श विहार, पिछले कुछ महीनों से युवती पर जबरन नजदीकियां बढ़ाने का दबाव बना रहा था।

जब उसने उसका प्रेम प्रस्ताव ठुकरा दिया, तो आरोपी ने बुधवार देर रात उसे कमरे में खींच लिया और मुंह में कपड़ा ठूंस कर दुष्कर्म किया। छह घंटे बाद आरोपी ने धमकी दी कि अगर उसने किसी को बताया तो उसकी बदनामी कर देगा।

आरोपी गिरफ्तार, जांच जारी

पीड़िता किसी तरह आरोपी के चंगुल से छूटकर घर पहुंची और परिजनों को आपबीती सुनाई। इसके बाद मां के साथ चकेरी थाना पहुंचकर तहरीर दी, जिस पर पुलिस ने दुष्कर्म, धमकी और बंधक बनाने की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि आरोपी मनोज पटेल को पीएसी मोड़ बाईपास से गिरफ्तार कर लिया गया है। जांच में सामने आया कि साल 2020 में भी आरोपी पर धमकी और गाली-गलौज का मामला दर्ज हुआ था। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है और पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया है।

छठ पर्व पर सुरक्षा चाक-चौबंद रहेगी

पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल

» रघुवीर लाल ने पनकी, अर्मापुर और बिठूर क्षेत्र के विभिन्न घाटों का निरीक्षण किया और तैयारियों का जायजा लिया

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। आगामी छठ पूजा पर्व को लेकर कानपुर पुलिस कमिश्नरेट ने सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम शुरू कर दिए हैं। गुरुवार को पुलिस आयुक्त रघुवीर लाल ने पनकी, अर्मापुर और बिठूर क्षेत्र के विभिन्न घाटों का निरीक्षण किया और तैयारियों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि घाटों पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा में किसी भी तरह की कमी न रहे। उन्होंने कहा कि छठ पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से चाक-चौबंद रखी जाए और पुलिसकर्मी श्रद्धालुओं के प्रति सम्मानजनक और शालीन व्यवहार करें।कमिश्नर ने कहा कि छठ पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या दुर्घटना न हो, इसके लिए हर स्तर पर तैयारी की जा रही है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।इस अवसर पर अपर पुलिस उपायुक्त (पश्चिम), सहायक पुलिस आयुक्त कल्याणपुर, और संबंधित थाना प्रभारी भी मौजूद रहे।

मुख्य निर्देश

घाटों पर जल पुलिस, पीएसी और गोताखोरों की पर्याप्त तैनाती की जाए।

अतिरिक्त नावों की व्यवस्था कर स्थानीय लोगों को पुलिस वॉलंटियर के रूप में लगाया जाए।

जरूरत पड़ने पर दैनिक मजदूरी पर अतिरिक्त गोताखोर नियुक्त किए जाएं।

सभी प्रमुख घाटों पर सीसीटीवी कैमरे, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और पी.ए. सिस्टम की व्यवस्था की जाए।

सांयकाल से पुलिस बंदोबस्त, यातायात नियंत्रण और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए।

हाईवे पर पिकअप पलटी, सैकड़ों चूजे मरे, जाम में फंसे वाहन

» महाराजपुर के महोली मोड़ के पास हुआ हादसा, तीन घंटे तक रुका रहा यातायात

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर-प्रयागराज नेशनल हाईवे पर सुबह बड़ा हादसा हो गया। महाराजपुर थाना क्षेत्र के महोली मोड़ के पास एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई और पलट गई। हादसे के बाद पिकअप में लदे सैकड़ों चूजे सड़क पर बिखर गए, जिससे नेशनल हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई और घंटों तक यातायात बाधित रहा।

पिकअप चालक सनी ने बताया कि वह परिचालक सलीम के साथ हरियाणा से बनारस-मुगलसराय जा रहा था।

वाहन में 350 पेटी चूजे लदे थे। महोली मोड़ के पास पिकअप का अगला पहिया अचानक जाम हो गया, जिसके चलते स्टीयरिंग फेल हो गया और वाहन पलट गया। हादसे में करीब 100 से अधिक चूजों की मौत हो गई।सूचना मिलते ही महाराजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और चालक व परिचालक को सुरक्षित बाहर निकाला।

पुलिस ने तुरंत एनएचएआई की टीम को सूचित कर क्रेन भेजने का अनुरोध किया, लेकिन तीन घंटे बीत जाने के बाद भी टीम मौके पर नहीं पहुंची। इससे हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और जाम की स्थिति बनी रही। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को हटवाकर यातायात बहाल कराया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

‘एक कदम गांधी के साथ’

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। गांधी शांति प्रतिष्ठान कानपुर के तत्वावधान में सर्व सेवा संघ उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित एक कदम गांधी के साथ जन-जागरण पदयात्रा 25 अक्टूबर को उन्नाव-शुक्लागंज होते हुए कानपुर पहुंचेगी। यह ऐतिहासिक यात्रा शांति, सद्भावना और लोकतंत्र की रक्षा के लिए निकाली गई है।यह पदयात्रा 2 अक्टूबर गांधी जयंती के दिन राजघाट वाराणसी से प्रारंभ हुई थी, जो प्रयागराज, रायबरेली, लखनऊ, उन्नाव, कानपुर, इटावा, फिरोजाबाद, आगरा, मथुरा, फरीदाबाद, निजामुद्दीन होते हुए 25 नवंबर को दिल्ली स्थित राजघाट पहुंचेगी।

राजघाट वाराणसी से राजघाट दिल्ली तक 1000 किमी लंबी शांति व सद्भावना पदयात्रा कल पहुंचेगी कानपुर

110 पड़ाव और 56 दिन की यात्रा में 18 जिले, 3 राज्य शामिल

लगभग 1000 किलोमीटर लंबी यह पदयात्रा 56 दिनों तक चलेगी, जिसमें 110 पड़ाव होंगे। यात्रा स्कूलों, कॉलेजों और गांवों से गुजरते हुए गांधी के विचारों, सत्य, अहिंसा, स्वदेशी और स्वावलंबन का संदेश देगी। यात्रा पूरी तरह गैर-राजनीतिक है।

मुख्य रूप से गांधी शांति प्रतिष्ठान दिल्ली के अध्यक्ष कुमार प्रशांत, सर्व सेवा संघ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष श्री राम धीरज भाई, गांधीवादी चिंतक अरविंद अंजुम, अरविंद सिंह सहित अनेक गांधी विचारधारा से जुड़े कार्यकर्ता इसमें सम्मिलित हैं।

संयोजक मंडल — दीपक मालवीय, सुरेश गुप्ता, नौशाद आलम मंसूरी, देव कुमार कबीर ने बताया कि यह यात्रा जन-जन को गांधी के विचारों से जोड़ने का प्रयास है, ताकि देश में शांति, सौहार्द और लोकनीति का वातावरण कायम रहे।

पदयात्रा के मुख्य उद्देश्य

- स्वदेशी, स्वावलंबन और स्वराज के मार्ग पर चलना
- सूफी संतों व स्वतंत्रता आंदोलन के आदर्शों को पुनर्जीवित करना
- सद्भावना, लोकतंत्र और सामाजिक-आर्थिक न्याय की रक्षा
- समता, बंधुत्व, सम्मान, सहिष्णुता और शांति के मूल्यों को बढ़ावा देना
- सत्य, नीति और नैतिकता की रक्षा तथा प्रकृति संरक्षण का संकल्प

कानपुर में 26 अक्टूबर को होगा विशेष आयोजन

पदयात्रा के कानपुर आगमन पर 26 अक्टूबर को क्रांतिकारी पत्रकार एवं स्वतंत्रता सेनानी गणेश शंकर विद्यार्थी जी की जयंती पर विशेष परिचर्चा आयोजित की जाएगी। यह कार्यक्रम नरोना चौराहा से दोपहर 3 बजे प्रारंभ होगा।

पदयात्रा में शामिल लोग महात्मा गांधी, भीमराव अंबेडकर, झंडा गीत रचयिता पद्मश्री श्यामलाल गुप्त ‘पार्षद’ सहित अन्य महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करेंगे और फूल बाग स्थित गणेश शंकर विद्यार्थी प्रतिमा स्थल पर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर चर्चा करेंगे। इसके बाद यात्रा कानपुर देहात होते हुए दिल्ली के लिए रवाना होगी।

कानपुर में मिठाई की दुकान पर दबंगों का हमला

पिता-पुत्र से मारपीट, 45 हजार की नकदी और चैन लूटी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। थाना रायपुरवा क्षेत्र अंतर्गत लक्ष्मी पुरवा में उस समय हड़कंप मच गया जब स्थानीय निवासी करन साहू की मिठाई की दुकान पर कुछ दबंगों ने धावा बोल दिया। जानकारी के अनुसार, पड़ोस में रहने वाले राजेश और उसका बेटा अंकुर सहित करीब 15 से 20 लोग जबरन दुकान में घुस आए और गाली-गलौज करने लगे।जब पीड़ित करन साहू ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने करन और उसके पिता राजेश साहू पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में करन साहू गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची रायपुरवा थाना पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाकर मेडिकल परीक्षण कराया।

पीड़ित के पिता राजेश साहू ने बताया कि मारपीट के दौरान आरोपियों ने गले की चैन छीन ली और दुकान में रखी गुल्लक से करीब 45,000 नकद निकाल लिए। उन्होंने बताया कि हमलावरों ने मौके का फायदा उठाकर दुकान में जमकर तोड़फोड़ भी की।

घटना की जानकारी मिलते ही रायपुरवा थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। इस संबंध में थानाध्यक्ष रायपुरवा का कहना है कि मामला जांच के अधीन है।

यदि सीसीटीवी फुटेज में घटना की पुष्टि होती है तो आरोपियों के खिलाफ सख्त धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

पीड़ित परिवार ने पुलिस प्रशासन से न्याय की गुहार लगाते हुए

कहा कि दबंगों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में कोई भी इस तरह की घटना दोहराने की हिम्मत न करे।

भाई दूज पर बसें न मिलने से परेशान रहीं महिलाएं

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। सीएनजी सिटी बसें कम होने और ई-बसों के रूट कम किए जाने का असर गुरुवार को भाई दूज पर भी दिखा। अपने भाइयों को तिलक करने जा रही बहनें बसों के लिए परेशान रहीं। उन्हें विभिन्न चौराहों पर बसों के इंतजार में खड़ा रहना पड़ा। मजबूरी में ऑटो और ई-रिक्शा का सहारा लेना पड़ा। समय पर बसें न मिलने से ऑटो और ई-रिक्शा चालकों ने मनमाना किराया वसूला।

जरीबचौकी, टाटमिल चौराहा, रामादेवी, रावतपुर, कल्याणपुर, बारादेवी चौराहों पर सुबह से लेकर शाम तक यात्रियों की भीड़ रही। इनमें अधिकतर महिलाएं थीं जो अपने भाई को तिलक करने के लिए मायके जाने के इंतजार में थी। जो ई-बसें आ रही थीं वह पहले से ही भरी हुई थीं। सीनएजी सिटी बसें कम होने से उनकी परेशानी और बढ़ गई थी। बता दें कि शहर में ई-बसों का संचालन कानपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड (केसीटीएसएल) कराता है।

बता दें कि शहर में 170 में से अब सिर्फ 18 सिटी सीनएनजी बसें चल रही हैं। बिल्हौर, घाटमपुर, रामादेवी, आईआईटी तक एक-दो ही सीनएजी बसें मिली। वहीं भाई दूज पर सवारियों की अपेक्षा ई-बसों की संख्या कम रही। रामादेवी से बिंदकी तक जाने वाली 16 ई-बसों को सिकटिया चौडगरा, रामादेवी से आईआईटी जाने वाली 23 ई-बसों को रामा मेडिकल कॉलेज तक संचालित किया जा रहा है। नौबस्ता से जहानाबाद रूट पर आठ ई-बसों को बंद किया गया है। रूट की दूरी भी 50 से घटाकर 30 किलोमीटर की गई है।

भाई संभल कर! वर्ना ये सड़क संभलने का मौका भी नहीं देगी

गड्ढों में समाई विकास की तस्वीर, टूटी सड़कों से ग्रामीण बेहाल

हर घर नल से जल योजना के तहत खोदी गई सड़कों की मरम्मत अभी तक अधूरी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। बरसात के बाद ग्रामीण इलाकों की सड़कें अब जानलेवा गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं। मुख्य मार्गों से जुड़ने वाली गंगा तटीय सड़कों की दुर्दशा ने न केवल लोगों की आवाजाही मुश्किल कर दी है, बल्कि विकास कार्यों की हकीकत भी उजागर कर दी है। तहसील व ब्लॉक बिल्हौर के अंतर्गत आने वाले नानामऊ से कोठी रोड, अरौल वाया संजतीबादशाहपुर जैसी महत्वपूर्ण सड़कें महीनों से टूट-फूट का शिकार हैं। बावजूद इसके मरम्मत का काम शुरू नहीं हुआ है।

»नानामऊ से कोठी रोड, अरौल वाया संजती बादशहपुर मार्ग की सड़कें हुईं खस्ता हाल।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि सड़कें जगह-जगह से उखड़ चुकी हैं और बारिश का पानी भर जाने से गड्ढे अब खतरनाक जाल में बदल गए हैं। बच्चों, स्कूली वाहनों, किसानों और राहगीरों को हर दिन जान जोखिम में डालकर गुजरना पड़ता है। उधर, हर घर नल से जल योजना के तहत पाइपलाइन बिछाने के दौरान खोदी गई सड़कों की मरम्मत भी अब तक पूरी नहीं की गई। बरसात ने हालात और बिगाड़ दिए हैं। कीचड़, जलभराव और कटान के कारण कई रास्ते लगभग बंद पड़े हैं।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही सड़कों की मरम्मत शुरू नहीं हुई, तो वे प्रशासन के खिलाफ धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। स्थानीय लोग जिम्मेदार विभागों से तत्काल कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, ताकि आवागमन फिर से सुचारू हो सके।

पति समेत नौ पर दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज

विवाहिता का आरोप- छह माह की गर्भवती हूं, फिर भी ससुराल वालों ने घर से निकाल दिया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

चौबेपुर/बिल्हौर (कानपुर)। घिन्नीपुरवा गांव की एक विवाहिता ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और गर्भावस्था के दौरान घर से निकाल देने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता की तहरीर पर चौबेपुर पुलिस ने पति समेत नौ लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज किया है।

विवाहिता वंदना शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी शादी 3 जुलाई 2024 को उन्नाव जनपद के बसधना गांव निवासी मोहन शर्मा से हुई थी। आरोप है कि शादी के कुछ ही समय बाद पति मोहन, ससुराल के अन्य सदस्य अतिरिक्त दहेज की मांग करने लगे। मना करने पर उसके साथ मारपीट की गई। वंदना का कहना है कि फिलहाल वह छह माह की गर्भवती है, इसके बावजूद ससुराल वालों ने उसे घर से निकाल दिया। किसी तरह वह मायके पहुंची और पूरी घटना की जानकारी परिजनों को दी।

थानाध्यक्ष आशीष कुमार चौबे ने बताया कि वंदना की तहरीर पर पति मोहन, जेठ उमेश, सर्वेश, गुड्डू, जेठानी गायत्री, देवर सोहन, नंद रीमा, सास राजरानी और ससुर ननके के खिलाफ दहेज उत्पीड़न की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

डूबती बहन की जान बचाकर गंगा में समाए भाई हर्ष का शव भाई दूज वाले दिन बरामद

नम आंखों से गामीणों ने बहादुर बेटे को दी श्रद्धांजलि

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। बुधवार को खेरेश्वर सरैया घाट पर बहन को डूबने से बचाने की कोशिश में लापता हुए 20 वर्षीय हर्ष पाल का शव गुरुवार को भाई दूज वाले दिन अल्लापुर भसेनी गांव के पास एसडीआरएफ की टीम ने बरामद कर लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हर्ष का परिवार बक्खूपुरवा गांव का निवासी है। जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह परिवार गंगा स्नान के लिए घाट पर आया था। इसी दौरान हर्ष की बहन श्रेया अचानक गहराई में फिसल गई। हर्ष ने बिना देर किए पानी में कूदकर बहन को बाहर निकाला, लेकिन खुद तेज बहाव में फंसकर लापता हो गया।

हादसे की सूचना मिलने के बाद गोताखोरों और स्थानीय नाविकों की टीम ने देर शाम तक खोजबीन की, लेकिन अंधेरा बढ़ने के कारण खोजबीन रोक दी गई। गुरुवार सुबह नायब तहसील के नेतृत्व में एसडीआरएफ और स्थानीय टीम ने पुनः सर्च ऑपरेशन शुरू किया और हर्ष का शव अल्लापुर भसेनी के पास बरामद किया। शव को देख परिजन चीख चीख कर रोने लगे। गांव में गम का माहौल है।

हर्ष ने अपनी बहादुरी से बहन की जान तो बचाई, लेकिन खुद जीवन की लहरों में समा गया। गाँव में अब भी खामोशी छाई हुई है और लोग उस बहादुर बेटे को श्रद्धांजलि दे रहे हैं, जिसने अपने परिवार के लिए अंतिम साहस दिखाया।

भाई दूज पर बहनों ने किया भाइयों का तिलक

भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को समर्पित रहा पूरा दिन

»बहनों ने मांगी भाइयों की खुशहाली की दुआएं।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। दीपावली के बाद मनाया जाने वाला पावन पर्व भाई दूज गुरुवार को क्षेत्र में परंपरागत उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। सुबह से ही घर-आँगन में पूजा की तैयारियाँ होती रहीं। बहनों ने थाल सजाकर अपने भाइयों का तिलक किया। उनकी आरती उतारी और मिठाई खिलाकर लंबी उम्र की कामना की।

बहन-भाई के पवित्र रिश्ते और अटूट विश्वास के पर्व भाई दूज को लेकर दिनभर घरों में रौनक बनी रही। बहनों ने भाइयों को तिलक लगाते हुए कहा कि यह पर्व भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का प्रतीक है। भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर अपने स्नेह और जिम्मेदारी का एहसास कराया। गाँव-गाँव में रिश्तों की मिठास घुली रही। कई स्थानों पर बहनों ने दूर रहने वाले भाइयों को ऑनलाइन शुभकामनाएँ दीं, तो कहीं बहनें खुद ससुराल से मायके पहुँचीं और तिलक कर परंपरा निभाई। भाई दूज के इस पावन अवसर पर भाई-बहन के रिश्ते की गर्माहट ने रोशनी के पर्व दीपावी को और भी उजला और महत्वपूर्ण बना दिया। शहर के व्यस्त चौराहों पर सवारी वाहनों के इंतजार में खड़ी बहनों की व्याकुलता भी देखते ही बनती थी। अपने रिश्तेदारों संग भाईयों से मिलने मायके जाने वाली शादीशुदा बहनों ने वाहन चालकों को मनचाहे पैसे देकर भी अपनी यात्रा पूरी की।

स्वराज इंडिया

www.www.swarajindianews.com.com

सम्पादकीय

प्रतिबंध से घातक मिठास पर प्रहार

सेहतवर्धक बताकर विभिन्न खाद्य-पेय उत्पाद बेचना आज के बाजार की मुनाफा रणनीति का हिस्सा बन चुका है। भले ही वह आम लोगों की सेहत से खिलवाड़ करता हो। ऐसे में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक फॉर्मूलेशन के अनुरूप न होने वाले किसी भी पेय पदार्थ के लेबल पर 'ओआरएस' यानी ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट शब्द लिखने पर प्रतिबंध लगा दिया है। निस्संदेह, यह एक जन-स्वास्थ्य की दिशा में हासिल एक बड़ी सफलता है, जिसकी लंबे समय से प्रतीक्षा की जा रही थी। दरअसल, यह आदेश हैदराबाद की बाल रोग विशेषज्ञ शिवरंजनी संतोष द्वारा आठ साल की लंबी लड़ाई के बाद सामने आया है। वास्तव में उन्होंने यह उजागर करने के लिये लंबा संघर्ष किया था कि कैसे कई चीनी युक्त कथित ऊर्जा बढ़ाने वाले पेय पदार्थों को चिकित्सकीय समाधान के रूप में बेचने के लिये भ्रामक रूप से 'ओआरएस' शब्द का इस्तेमाल किया जा रहा है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि सालों से अभिभावक इस पेय पदार्थ की पैकेजिंग पर कारोबारियों द्वारा लिखे 'ओआरएस' शब्द पर भरोसा करते हुए बीमार बच्चों को पिलाते रहे हैं। वे इस बात से बेखबर थे कि पेय पदार्थ में चीनी की उच्च सांद्रता निर्जलीकरण की स्थिति को बढ़ावा दे सकती है। विशेष रूप से बच्चों को देने पर दस्त की स्थिति में यह घातक हो सकती थी। यहां उल्लेखनीय है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुमोदित ओआरएस घोल में सावधानीपूर्वक ग्लूकोज और इलेक्ट्रोलाइट्स का एक संतुलित मिश्रण निर्धारित होता है। जिसे बीमार बच्चों या व्यक्ति को शरीर में तरल पदार्थों व लवणों की कमी की पूर्ति के लिये तैयार किया जाता है। जबकि हकीकत यह है व्यावसायिक दृष्टि से बेचे जा रहे पेय पदार्थों का भले ही चिकित्सा वैधता का दावा किया जाए, लेकिन वे मीठे घोल के अलावा कुछ नहीं होते। जबकि हकीकत यह है कि इन बाजारू पेय पदार्थों की बिक्री से मोटा मुनाफा ही कमाया जा रहा था। यह तथ्य भी चौंकाने वाला ही है कि भारत में इस तथाकथित मीठे 'ओआरएस पेय' का सारा कारोबार लगभग एक हजार करोड़ रुपये के लगभग है। यहां तक कि कुछ पेय पदार्थों के ब्रांड मालिकों ने केवल तीन वर्षों में पांच गुना बिक्री का दावा किया है।

उन्होंने ओआरएस बिक्री के चौदह फीसदी से अधिक हिस्से पर अधिकार करने का उल्लेख किया है। दरअसल, विभिन्न स्वाद वाले पेय पदार्थ को स्वास्थ्यवर्धक के रूप में पेश करके कंपनियों को अपने कारोबार में तेजी लाने का आसान मौका मिल जाता है। यह विडंबना है कि देश में कमजोर नियामक निगरानी के चलते ही इस मुनाफे के घातक कारोबार के विस्तार के लिये अनुकूल वातावरण बन पाया है।

अब विश्वास किया जाना चाहिए कि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की सख्ती से इस मुनाफाखोरी के घातक कारोबार पर अंकुश लगाने में कामयाब मिल सकेगी। इस सारे प्रकरण का एक सबक यह भी है कि कैसे सतर्क नागरिक और नैतिक रूप से सजग चिकित्सक सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करने में सक्षम हो सकते हैं। खासकर उन क्षेत्रों में जहां अकसर प्रवर्तन कार्रवाई की कमी नजर आती है।

पराली व प्रदूषण के मुद्दे पर जूझते भारत-पाक

कमल रस्तोगी

चीन ने किसानों को 2019 में 4 अरब युआन से ज़्यादा की सब्सिडी दी। इस राशि से पराली से बायोमास ईंधन में रूपांतरण करने वाले स्टेशनों को वित्तपोषित करने में मदद मिली। किसानों को पराली इकट्ठा करने वाली मशीनों पर...चीन ने किसानों को 2019 में 4 अरब युआन से ज़्यादा की सब्सिडी दी। इस राशि से पराली से बायोमास ईंधन में रूपांतरण करने वाले स्टेशनों को वित्तपोषित करने में मदद मिली। किसानों को पराली इकट्ठा करने वाली मशीनों पर सब्सिडी और पराली आपूर्ति के लिए पारिश्रमिक दिया गया। परिणामस्वरूप, चीन का अनाज उत्पादन 36 प्रतिशत से ज़्यादा बढ़ गया है।

प्रदूषण हिन्दू-मुसलमान हो गया, प्रदूषण भारत-पाकिस्तान हो गया। स्विस वायु गुणवत्ता प्रौद्योगिकी कंपनी 'आईक्यू-एयर' ने 120 से अधिक शहरों के लाइव डेटा के हवाले से 21 अक्तूबर, 2025 की सुबह दिल्ली को दुनिया का 'सबसे प्रदूषित' शहर घोषित कर दिया। उसके अगले दिन कराची और लाहौर को दुनिया के 5वें और तीसरे सबसे प्रदूषित शहरों में स्थान दिया गया। सीमा पार आवाज़ें उठनी शुरू हुईं, कि भारत के पंजाब-हरियाणा, यहां तक कि दिल्ली से पटाखे फोड़ने और पराली दहन से हमारा जीना दुश्वार हो गया है। भारत को दोष देने वाले पाकिस्तान में पटाखा उद्योग का प्रदूषण फैलाने में कितना योगदान है, उस पर कोई बात नहीं होती। दो महीना पहले 21 अगस्त को पाकिस्तान के कराची शहर में गुरुवार को एक पटाखा गोदाम में हुए विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई, और 30 से ज़्यादा घायल हो गए। प्रतिबंध के बावजूद चीन से पटाखों की आपूर्ति पाकिस्तान में धड़ल्ले से होती है। यों, पाकिस्तान में विवाह-बर्थडे जैसे उत्सवों ने पटाखों के कारोबार को पाला-पोसा है। मगर, दीवाली की तरह पटाखों का कारोबार शब-ए-बारात के पवित्र अवसर पर तेजी से बढ़ता है। दुर्भाग्यवश, शब-ए-बारात का आगमन तेज विस्फोटों, धमाके की आवाजों का पर्याय बन गया है। पाकिस्तान वाले पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज़ ने गिरफ़्तारी व भारी जुर्माने के साथ 'डंडा और गाजर अभियान' आरम्भ किया। पराली जलाने पर प्रतिबन्ध का उल्लंघन करने वालों पर पांच हज़ार रुपये का जुर्माना। साथ ही प्रलोभन था, नई पीढ़ी की 'सुपर सीडर' मशीनों की पेशकश, जिन पर 65 प्रतिशत की सब्सिडी दी जा रही थी। बावजूद इसके, शकरगढ़, ज़फ़रवाल और नारोवाल की तीन तहसीलों के किसान पराली जलाना जारी रखे हुए हैं। रिपोर्टों के अनुसार, तलवंडी भंडारन, नोरकोट, अदा सिराज, फ़तेहपुर अफ़गानन और कंवल सहित 12 से ज़्यादा गांवों में पराली जलाने की घटनाएं हुई हैं। देरियांवाला में हुई दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई, और 18 घायल हो गए। पाकिस्तान में करप्शन बेकाबू है। फ़तेहपुर निवासी मुहम्मद शरीफ और शाहबाज अली ने बताया कि निगरानी करने वाले अधिकारी इन उल्लंघनों को नज़रअंदाज़ करने के लिए 2,000 रुपये प्रति एकड़ की रिश्वत मांग रहे हैं, जिससे किसान बेरोक-टोक पराली जला रहे हैं। पाकिस्तान में उत्सर्जन का 20 फीसद, फसल जलाने के कारण होता है। बाक़ी, ईंट-भट्ठा उद्योग, शहर से गांव-देहात तक बेतहाशा गाड़ियां, निर्माण उद्योग की धूल-मिट्टी ने वातावरण का बेड़ा ग़र्क़ कर रखा है। भारत जैसा ही हाल आप पाकिस्तान में देखेंगे। ठीक है, टेरर फैलाने वाले पाकिस्तान से हम ट्रेड पर बात नहीं कर रहे, लेकिन पर्यावरण पर तो कर सकते हैं ऐसी ही समस्या से रूबरू चीन ने, कुछ उपाय किये, जिनमें कोयला आधारित बिजली संयंत्रों पर प्रतिबंध, सड़कों पर कारों की संख्या सीमित करना, और पूरी तरह से इलेक्ट्रिक बसें चलाना शामिल है।

न्याय की चौखट पर जीवों को 'गरिमा' का अधिकार

अदालत की नज़र

ज्वाला सिंह दास

भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 में निहित 'गरिमा और निष्पक्ष व्यवहार का अधिकार' केवल इंसानों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पशु भी इसके हकदार हैं। यानी, अदालत की नज़र में जानवरों को भी 'गरिमा' के साथ जीने का अधिकार है, ठीक वैसे ही जैसे इंसानों को। सदियों से, हमारे समाज में मनुष्य और पशुओं के बीच का रिश्ता एकतरफा रहा है। यह ऐसा लेन-देन था जहां 'देने' (सेवा, श्रम) का सारा बोझ जानवरों के हिस्से आया, जबकि उनके अपने 'हक' और 'गरिमा' को हमेशा अनदेखा किया गया। पशुओं को केवल संपत्ति, साधन या मनोरंजन का ज़रिया समझा जाता रहा।

लेकिन, अब समय बदल रहा है, अब देश की न्यायपालिका एक ऐसी सशक्त और मज़बूत ढाल बनकर सामने आई है जिसने इस सदियों पुरानी धारणा को चुनौती दी है। देश की विभिन्न अदालतों ने हाल के वर्षों में कई ऐसे ऐतिहासिक और दूरगामी फैसले सुनाए हैं, जिन्होंने पहली बार 'बेज़ुबानों' को 'स-ज़ुबान' बनने का मौका दिया है। ये केवल कानूनी आदेश नहीं हैं, बल्कि मानवीय संवेदना और नैतिक ज़िम्मेदारी की नई परिभाषाएं हैं।

देश में ज़्यादातर लोग 'पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960' के बारे में जानते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने एक खास फैसला सुनाया है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 में निहित 'गरिमा और निष्पक्ष व्यवहार का अधिकार' केवल इंसानों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पशु भी इसके हकदार हैं। यानी, अदालत की नज़र में जानवरों को भी

'गरिमा' के साथ जीने का अधिकार है, ठीक वैसे ही जैसे इंसानों को। इस ऐतिहासिक दृष्टिकोण ने जानवरों को सिर्फ 'संपत्ति' या 'चीज़' मानने की पुरानी सोच को बदलकर उन्हें एक 'अधिकार प्राप्त जीव' के रूप में स्थापित कर दिया है। भारत में जानवरों का कानूनी संरक्षण 'पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960' और भारतीय संविधान के अनुच्छेद अनुच्छेद 51-क (जी) से मिलता है, जो हर नागरिक को वन्यजीवों सहित सभी जीवित प्राणियों के प्रति दया रखने का मौलिक कर्तव्य सौंपता है।उत्तराखंड हाईकोर्ट ने 2018 में एक अभूतपूर्व फैसला सुनाया, जिसमें पूरे पशु जगत, जिसमें पक्षी और जलीय जीव भी शामिल हैं, को 'कानूनी व्यक्ति' या 'जीवित इकाई' का दर्जा दिया गया। यह फैसला इस मायने में महत्वपूर्ण था कि इसने जानवरों को केवल 'संपत्ति' माने जाने की पारंपरिक कानूनी अवधारणा को चुनौती दी। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जानवरों के प्रति मानवीय व्यवहार सुनिश्चित करने और उनके कल्याण की रक्षा के लिए उन्हें कानूनी व्यक्ति का दर्जा देना आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट ने 2014 में 'ए. नगरजा बनाम भारत संघ' के ऐतिहासिक मामले में यह स्पष्ट किया कि पशुओं को भी संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन का अधिकार) के तहत क्रूरता से मुक्त जीवन जीने का अधिकार है। कोर्ट ने माना कि जल्लीकट्टू पशु क्रूरता निवारण अधिनियम का उल्लंघन है क्योंकि इसमें बैलों को अनावश्यक पीड़ा और तनाव से गुजरना पड़ता है। इस फैसले ने जानवरों के अधिकारों को मौलिक मानवीय अधिकारों के समकक्ष खड़ा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया। इसने दर्शाया कि 'जीवन का अधिकार' की व्यापक व्याख्या में सभी जीवित प्राणियों को शामिल किया जाना चाहिए।

जगदीश सिंह बनाम हरियाणा राज्य (2019) मामले में कोर्ट ने जानवरों को एक इंसान जैसा 'कानूनी व्यक्ति' माना, जो कि एक बहुत बड़ा और खास फैसला था। इस फैसले का सबसे ज़रूरी हिस्सा यह था कि घोड़ागाड़ी और बैलगाड़ी जैसे पशु-चालित वाहनों को सड़कों पर पहले जाने का हक दिया गया। कोर्ट ने कहा कि इन गाड़ियों में ब्रेक या अन्य सुरक्षा सुविधाएं नहीं होती हैं, इसलिए उनकी हिफाजत के लिए मोटर गाड़ियों को उन्हें पहले रास्ता देना चाहिए।

ब्लड बैंक प्रभारी ने सीएमएस पर जूता तानकर मर्यादा उछाली

अयोध्या जिला अस्पताल का दिवाली कांड बना 'जूता प्रकरण', फाइल लखनऊ पहुंची, अब कुर्सी नहीं पूरा सिस्टम हिलने के आसार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। जिला अस्पताल की सफेद कोट वाली इमारत में दिवाली से पहले जो हुआ, उसने सरकारी मर्यादाओं का खून कर दिया। ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. फुजैल अंसारी ने सरकारी वाहन न मिलने पर जूता उठा लिया, वो भी प्रभारी सीएमएस डॉ. राजेश सिंह के सामने। बात इतनी भर नहीं थी जूता सिर्फ हवा में नहीं उठा, बल्कि अयोध्या के स्वास्थ्य तंत्र की साख पर जाकर गिरा।

अब यह प्रकरण सीधे शासन की टेबल पर पहुंच गया है। फाइल खुल चुकी है, नोटिंग शुरू हो चुकी है। सूत्रों के अनुसार एडी हेल्थ तक रिपोर्ट पहुंच गई है और ऊपर तक हलचल मच चुकी है। दिवाली की पूर्व संध्या पर ब्लड बैंक प्रभारी ने आधा झोला एचआईवी किट लाने के लिए सरकारी वाहन मांगा। मना करने पर जो भाषा चली, वो अस्पताल नहीं, किसी सडक़छाप अड्डे की लगती थी। गाली-गलौज, अशोभनीय हावभाव, और आखिर में जूते का प्रदर्शन यह सब उस जगह हुआ जहां जिंदगी और मौत की डोर रोज थामी जाती है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय चौधरी इस अपमान से इतने आहत हुए कि सीधे शासन तक शिकायत भेज दी। और अब जूता कांड के नाम से चर्चित यह घटना स्वास्थ्य महकमे में ब्लड प्रेशर बढ़ा चुकी है।

अंदरखाने में 'ब्लड गेम' की चर्चा

अस्पताल सूत्रों की मानें तो ब्लड बैंक का यह पहला विवाद नहीं है। एचआईवी किट, रिपोर्टिंग और सैंपलिंग में गड़बडियों को लेकर पहले भी कई बार फाइलें गर्म हो चुकी हैं। लेकिन इस बार मामला जूते तक पहुंचा है और यही बात इसे सिर्फ अनुशासनहीनता नहीं, एक प्रशासनिक विस्फोट बना रही है। लोग कह रहे हैं जब डॉक्टर ही हाथ में जूता लेकर घूमने लगें, तो समझिए इलाज नहीं, इजाज़त चल रही है। प्रभारी सीएमएस डॉ. राजेश सिंह ने खुद पुष्टि की हमने शासन को पत्र भेज दिया है, एडी हेल्थ तक पहुंच गया है, अब कार्रवाई तय है। उधर, कर्मचारियों के बीच फुसफुसाहट है कि इस बार मामला दबेगा नहीं, क्योंकि जूता तानने की खबर वीडियो क्लिप्स और बयान सहित ऊपर तक पहुंच चुकी है ।यह सिर्फ एक डॉक्टर की हरकत नहीं, बल्कि सिस्टम की लाइलाज बीमारी का लक्षण है जहां सरकारी किट झोले में चलती हैं, वाहन नियमों से नहीं, रुतबे से मिलते हैं। अयोध्या के जिला अस्पताल का यह जूता कांड अब सिर्फ एक प्रशासनिक जांच नहीं, बल्कि सिस्टम की परीक्षा बन गया है। सवाल यह नहीं कि फुजैल अंसारी दोषी हैं या नहीं, सवाल यह है कि क्या शासन अब भी चुप रहेगा, जब जूता तानने की गूंज मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंच चुकी है?

एसपी ने अचानक किया रनियां का दौरा, दिए कई टिप्स बताए

» सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा, रात्रि गश्त पर विशेष ध्यान देने के निर्देश

» दुकानदारों से की बातचीत, सीसीटीवी कैमरे लगाने पर दिया जोर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडे देर शाम अचानक रनियां पहुंचीं और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। आगामी त्योहारों के मद्देनजर उन्होंने स्थानीय पुलिस को मुस्तैद रहने के निर्देश दिए।रात करीब साढ़े आठ बजे एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडे किशरवल रोड तिराहे पर पहुंचीं, जहां रनियां थाना प्रभारी सहित पुलिस बल ने उनका स्वागत किया।

उन्होंने मौके पर मौजूद स्टाफ की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि त्योहारों के दौरान सुरक्षा चूक की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। एसपी ने पुलिसकर्मियों से कहा कि रात्रि गश्त में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए और हर संदिग्ध व्यक्ति की पहचान सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सर्दियों के मौसम में बढ़ती चोरी की घटनाओं पर चिंता जताई और कहा कि हर कर्मचारी अपनी ड्यूटी स्थल पर पूरी जिम्मेदारी से तैनात रहे।

क्षेत्र भ्रमण के दौरान एसपी ने स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों से भी संवाद किया तथा दुकानों के बाहर सीसीटीवी कैमरे लगाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि रनियां औद्योगिक क्षेत्र है, इसलिए सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर विशेष सतर्कता बरतना आवश्यक है ।उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़कों पर अवैध पार्किंग न होने दी जाए, जिससे यातायात प्रभावित न हो। बुधवार को एएसपी राजेश पांडे ने भी रनियां में पैदल गश्त कर लोगों को सुरक्षा का एहसास कराया था। गुरुवार को हुए इस निरीक्षण के दौरान उपनिरीक्षक देवेन्द्र पाल सिंह, एसआई सुरेंद्र सिंह, एसआई देवेन्द्र कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

222 साल बूढ़ी सदर तहसील की इमारत होगी जमींदोज

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। वर्षों से जर्जर पड़े 222 साल पुराने तहसील भवन को तोड़ने की कवायद शुरू हो गई है। शासन ने भवन तोड़ने को मंजूरी दे दी है। अब तहसील शिफ्ट करने के लिए बिल्डिंग तलाशी जा रही है। जिला प्रशासन सदर तहसील के लिए बड़ी जमीन भी चिह्नित करने का प्रयास कर रहा है ताकि पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था भी हो सके। 10.63 करोड़ रुपये से नया तहसील भवन बनाने का प्रस्ताव पूर्व में भेजा जा चुका है ।जिले में नर्वल, घाटमपुर, बिल्हौर और कानपुर सदर तहसील हैं। कलक्ट्रेट के पास तीन हजार वर्ग मीटर में फैली सबसे पुरानी सदर तहसील की बिल्डिंग 1803 में बनाई गई थी। वर्तमान में बिल्डिंग की हालत पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है। कानूनगो और लेखपाल, रिकॉर्ड रूमों की हालत यह है कि बारिश में छत से पानी टपकता है। बारिश में कमरे से बाहर निकलते ही कीचड़ इंतजार करता है। आधे से ज्यादा कमरों के दरवाजे दीमक खा गए हैं ।तत्कालीन डीएम विशाख जी ने वर्ष 2023 में नई तहसील बनाने की कवायद शुरू की थी। उस समय सिर्फ जर्जर कमरों का ही सर्वे कर उन्हें निष्प्रयोज्य घोषित कर आधा परिसर बनाने का प्रस्ताव तैयार किया गया था। इसके बाद तत्कालीन जिलाधिकारी राकेश सिंह ने तहसील का दोबारा सर्वे कर प्रस्ताव बनाकर राजस्व परिषद भेजा था। इसमें पूरी बिल्डिंग निष्प्रयोज्य घोषित हुई थी।

तीन मंजिला इमारत का होगा निर्माण

सदर तहसील में करीब 10.63 करोड़ रुपये की लागत से तीन मंजिला इमारत बनाई जाएगी। इसमें एसडीएम कक्ष, एसडीएम न्यायिक, तहसीलदार, तहसीलदार न्यायिक, नायब तहसील, राजस्व निरीक्षक, संग्रह अमीन, रजिस्ट्रार, कानूनगो, रिकॉर्ड रूम, लेखपाल कक्ष बनेगा।

इसके साथ एक 50 से अधिक लोगों की क्षमता वाला सभागार भी बनेगा।

हत्या का मामला

(प्रयागराज में पत्रकार हत्याकांड में अपडेट)

पुलिस ने हत्यारे विशाल को मुठभेड़ में किया ढेर, दोनों पैरों में लगी गोली

» पत्रकार एल.एन. सिंह की निर्मम हत्या के बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी विशाल को अरेस्ट किया है

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में पत्रकार एल.एन. सिंह की निर्मम हत्या के बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी विशाल को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। तेजतर्रार पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार के नेतृत्व में चली इस कार्रवाई में आरोपी विशाल को दोनों पैरों में गोली लगी है। घायल अवस्था में उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

जानकारी के अनुसार, सिविल लाइंस इलाके में मामूली कहासुनी के बाद पत्रकार एल.एन. उर्फ पप्पू सिंह पर आरोपी विशाल ने चाकू से ताबड़तोड़ 20 से 25 वार कर दिए थे। गंभीर रूप से घायल पत्रकार की मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना के बाद पूरे शहर में सनसनी फैल गई थी और पुलिस प्रशासन पर सवाल खड़े हो गए थे।

पत्रकार की हत्या के बाद पुलिस ने आरोपियों की धरपकड़ के लिए कई टीमें गठित कीं। शुक्रवार तड़के पुलिस को आरोपी के मूवमेंट की सूचना मिली, जिसके बाद घेराबंदी की गई। इस दौरान आरोपी विशाल ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने की कोशिश की, जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गोली चलाई, जिससे उसे दोनों पैरों में तीन गोलियां लगीं।सीपी जोगेंद्र कुमार ने बताया कि पत्रकार हत्याकांड में शामिल किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।इस घटना के बाद शहर में माहौल तनावपूर्ण है, लेकिन पुलिस ने स्थिति पर नियंत्रण बना रखा है। वहीं पत्रकार जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। लोगों ने पत्रकार एल.एन. सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मुठभेड़ के दौरान आरोपी को दोनों पैरों से किया गया लंगड़ा,लगी तीन गोलियां..

(मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बड़ा फैसला)

30 साल बाद पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के बढ़े वित्तीय अधिकार

» अब मुख्य अभियंता कर सकेंगे 10 करोड़ रुपए तक के कार्य स्वीकृत

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों के वित्तीय अधिकारों में पांच गुना तक की ऐतिहासिक वृद्धि का निर्णय लिया है। यह संशोधन लगभग 30 वर्ष बाद किया जा रहा है, जिससे विभागीय निर्णय प्रक्रिया में तेजी आएगी और निर्माण कार्यों के निष्पादन में पारदर्शिता व दक्षता बढ़ेगी।मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक में कहा कि वर्ष 1995 में निर्धारित वित्तीय सीमाएं अब वर्तमान परिदृश्य में अप्रासंगिक हो चुकी हैं। पिछले तीन दशकों में निर्माण लागत में पांच गुना से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है, ऐसे में वित्तीय अधिकारों का पुनर्निर्धारण समय की मांग है।

अब यह होंगे नए वित्तीय अधिकार

मुख्य अभियंता को अब 2 करोड़ के स्थान पर 10 करोड़ तक के कार्यों की स्वीकृति का अधिकार मिलेगा।

अधीक्षण अभियंता के अधिकार 1 करोड़ से बढ़ाकर 5 करोड़ कर दिए गए हैं।

अधिशासी अभियंता को अब 40 लाख की जगह 2 करोड़ तक के कार्यों की स्वीकृति मिलेगी।

सहायक अभियंता को भी छोटे टेंडरों और कार्यों की स्वीकृति हेतु सीमित वित्तीय अधिकार प्रदान किए जाएंगे।

सेवा नियमावली में भी बड़ा बदलाव

बैठक में 'उत्तर प्रदेश अभियंता सेवा (लोक निर्माण विभाग) (उच्चतर) नियमावली, 1990' में संशोधन को मंजूरी दी गई। इस संशोधन के तहत विद्युत एवं यांत्रिक संवर्ग में पहली बार मुख्य अभियंता (स्तर-एक) का नया पद सृजित किया गया है। साथ ही मुख्य अभियंता (स्तर-दो) और अधीक्षण अभियंता के पदों की संख्या बढ़ाई गई है।नई नियमावली में पदोन्नति की प्रक्रिया, पात्रता और वेतनमान को सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। चयन समितियों की संरचना को भी अद्यतन किया गया है ताकि पदोन्नति की प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष बन सके।

पुनर्निर्धारण समय की मांग है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस निर्णय से निविदा, अनुबंध और कार्यारंभ प्रक्रियाएं तेज होंगी, जिससे परियोजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन संभव होगा। उन्होंने जोर दिया कि यह कदम न केवल विभागीय स्वायत्तता बढ़ाएगा, बल्कि प्रशासनिक पारदर्शिता और वित्तीय अनुशासन को भी सशक्त बनाएगा।

आगरा की बेटी बनी अंडर-19 क्रिकेट टीम की कप्तान

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा की बेटी सानवी भाटिया को अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम की कमान सौंपी गई है। सानवी के कप्तान बनने से शहर के खेल प्रेमियों में खुशी की लहर है। घर पर लोग बधाई देने पहुंच रहे हैं। क्रिकेटर सानवी भाटिया को उत्तर प्रदेश अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम का कप्तान बनाया गया है। उनके चयन की खबर जैसे ही आगरा पहुंची, परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। घर पर मिठाई बांटी गई और पड़ोसी भी बधाई देने पहुंचे। शास्त्रीपुरम की शांति रेजिडेंसी में रहने वाली सानवी के पिता गौरव भाटिया ठेकेदार हैं, इनका मेडिसिन का भी काम है। मां रतिका कपूर भाटिया अछनेरा के गोपऊ में सहायक अध्यापिका हैं। पिता ने कहा कि सानवी बचपन से ही क्रिकेट में जुनूनी रही है। सुबह 4 बजे उठकर अभ्यास करने की उसकी आदत रंग लाई है। हमें उस पर गर्व है। मां ने भावुक होते हुए कहा कि हर मां चाहती है कि बेटी उसका और शहर का नाम रोशन करे। सानवी की यह उपलब्धि पूरे आगरा के लिए गर्व की बात है। सानवी की छोटी बहन श्रीनिका भाटिया ने मुस्कुराते हुए कहा, दीदी ने हमेशा हमें सिखाया कि मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता। अब हम सब चाहते हैं कि वह टीम को जीत दिलाएं।कई शानदार प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा है। उनके कप्तान बनने से आगरा के खेल प्रेमियों में उत्साह है।

भैया दूज पर बुझा परिवार का चिराग मां-बेटे की साथ-साथ उठी अर्थी

» बेटे की मौत की खबर सुनते ही मां को आया हार्ट अटैक, सिकरोड़ी घाट पर अगल-बगल जलीं मां-बेटे की चिताएं

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

औरैया/कानपुर देहात। भैया दूज के दिन औरैया जिले के भूरेपुर कला गांव में एक दर्दनाक घटना ने सभी को झकझोर दिया। बेटे की मौत की खबर सुनते ही मां ने भी दुनिया छोड़ दी। गुरुवार को मां और बेटे की अर्थी एक साथ उठी तो पूरे गांव में कोहराम मच गया। हर आंख नम थी और चूल्हे तक नहीं जले।

डेरापुर निवासी 26 वर्षीय शिवम गौर गाजियाबाद के कौशांबी थाना क्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल में नौकरी करता था। 21 अक्टूबर की रात वह अपने कमरे में मृत पाया गया। सुबह करीब 6 बजे जब यह खबर परिजनों को मिली तो घर में चीख-पुकार मच गई।

मां - बेटे की फाइल फोटो

इकलौते बेटे की मौत का सदमा उसकी मां 60 वर्षीय सरस्वती देवी सह नहीं सकीं। कुछ ही देर बाद उन्होंने भी दम तोड़ दिया। गुरुवार शाम भूरेपुर कला से मां-बेटे की संयुक्त अंतिम यात्रा निकली।

सिकरोड़ी घाट पर दोनों का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया। नाती हर्ष सेंगर ने मामा और नानी की चिताओं को मुखाग्नि दी। इस दौरान पूरे गांव में सन्नाटा छा गया।

ग्रामीणों के मुताबिक, सरस्वती देवी अपने पति की मृत्यु के बाद पिछले तीन महीने से बेटी रूबी (पत्नी राजेश सिंह सेंगर) के साथ भूरेपुर कला में रह रही थीं।

भाई दूज के दिन हुई इस हृदयविदारक घटना ने पूरे गांव को शोकाकुल कर दिया मां-बेटे की विदाई के साथ परिवार का चिराग हमेशा के लिए बुझ गया।

'नैतिक सियासत' का चेहरा बने श्रीकांत शुक्ला, गांव से उठी बदलाव की बयार

जनता की उम्मीदों को नई दिशा देने का संकल्प, नैतिक पार्टी ने दी जिला अध्यक्ष की कमान

सचिन सिंह चौहान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात (माती)। जनपद की राजनीति में सादगी, संघर्ष और ईमानदारी का नया चेहरा बनकर उभरे श्रीकांत शुक्ला को नैतिक पार्टी का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति ऐसे समय पर हुई है जब जिले की सियासत जनहित से भटककर निजी स्वार्थों में उलझती नजर आ रही थी। पार्टी ने शुक्ला पर भरोसा जताते हुए यह जिम्मेदारी जनता की उम्मीदों को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से दी है।

सत्ता नहीं, संघर्ष की राजनीति करूंगा

पार्टी मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान श्री कांत शुक्ला ने कहा यह लड़ाई किसी कुर्सी की नहीं, बल्कि किसानों, मजदूरों और गरीब तबके के हक की है। मैं सत्ता के गलियारों से नहीं, गांव की चौपालों से आवाज बुलंद करूंगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि बेरोजगारी, किसानों की बदहाली और गरीबों की अनदेखी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्यक्रम में मौजूद कार्यकर्ताओं ने फूलमालाओं से स्वागत किया और नैतिकता की नई पहचान श्री कांत शुक्ला महान के नारों से परिसर गुंज उठा।

जनसंवाद यात्रा से गांव-गांव पहुंचेगी नैतिक राजनीति

वरिष्ठ नेताओं राजेन्द्र तिवारी, डॉ. विवेक मिश्रा, और सुधीर अवस्थी ने कहा कि श्री शुक्ला की नियुक्ति से संगठन में नई ऊर्जा का संचार होगा।शुक्ला ने कार्यक्रम में ऐलान किया कि वे जल्द ही जनसंवाद यात्रा की शुरुआत करेंगे, जिसमें हर गांव में जाकर जनता की समस्याओं को सुनेंगे और समाधान के लिए संघर्ष करेंगे।राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि श्री कांत शुक्ला की जुझारू छवि और सादगीपूर्ण नेतृत्व से नैतिक पार्टी को जिले में नया जनाधार मिलेगा।

तेज रफ्तार कार ने बाइक में टक्कर मारी, युवक की मौत

» युवक की एक साल पहले हुई थी शादी, घर में 1 सप्ताह पूर्व गूंजी थी किलकारी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रूरा थाना क्षेत्र के चिलौली गांव के पास गुरुवार देर शाम तेज रफ्तार कार ने एक बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि बाइक कार में फंसकर दूर तक घिसटती चली गई, जिससे बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक की पहचान रूरा थाना क्षेत्र के तिगांई गांव निवासी शिवा दिवाकर (25 वर्ष) पुत्र जगदीश दिवाकर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि शिवा की एक वर्ष पूर्व ही शादी हुई थी, और सिर्फ एक सप्ताह पहले ही उसके घर में बच्चे का जन्म हुआ था। दुखद हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना पर पहुंची रूरा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी अमित शुक्ला ने बताया कि हादसे में शामिल कार को कब्जे में ले लिया गया है, जबकि चालक मौके से फरार हो गया। उसकी तलाश जारी है। परिजनों की

तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि चिलौली मार्ग पर आए दिन तेज रफ्तार वाहन हादसे को दावत देते हैं, लेकिन अब तक इस मार्ग पर गति नियंत्रण के कोई ठोस इंतजाम नहीं किए गए हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

अकबरपुर: पुष्पेय हॉस्पिटल की लापरवाही से दो जिंदगियां खत्म

» प्रसव के दौरान जच्चा-बच्चा की मौत, परिजनों में रोष

» परिजनों ने पोस्टमार्टम से किया इंकार

सूत्रों का कहना है कि परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन से कुछ लेकर कर लिया समझौता

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात । अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र स्थित पुष्पेय अस्पताल में प्रसव के दौरान दर्दनाक घटना सामने आई, जहां एक महिला और उसके नवजात शिशु की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। मृतका की पहचान अकबरपुर के वार्ड नंबर 11, ब्रह्मनगर निवासी बलवान की पुत्री शालिनी के रूप में हुई। यह उसका दूसरा प्रसव था। परिजनों का कहना है कि प्रसव के दौरान डॉक्टरों की लापरवाही और समय पर इलाज न मिलने के कारण मां-बेटे दोनों की जान चली गई।

वहीं, अस्पताल प्रशासन ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि शालिनी के शरीर में पहले से ही गंभीर रक्त की कमी थी। उसकी स्थिति नाजुक देख पहले भर्ती करने से मना किया गया था, लेकिन परिजनों के विशेष अनुरोध पर उसे भर्ती किया गया।हंगामे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित परिजनों को शांत कराया। पुलिस ने अस्पताल प्रबंधन से मिली जानकारी परिजनों के सामने रखी, जिसके बाद उन्होंने कानूनी कार्रवाई से इनकार करते हुए शवों को घर ले गए। बताया जा रहा है मामले में समझौता हो गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जिले में निजी अस्पतालों की लापरवाही के चलते इस तरह की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं हो रही।

भतीजे ने चाची को पीट-पीटकर मार डाला

» मंगलपुर थाना क्षेत्र के जसापुर गांव की दर्दनाक वारदात

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मंगलपुर थाना क्षेत्र के जसापुर गांव में गुरुवार रात पारिवारिक विवाद के चलते एक भतीजे ने अपनी सगी चाची की पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई।जानकारी के अनुसार, जसापुर गांव निवासी राजू अपनी पत्नी मोहिनी के साथ जयपुर में रहते थे और दीपावली का त्योहार मनाने के लिए गांव आए थे।

गुरुवार देर रात राजू का सगा भतीजा कृष्ण शराब के नशे में घर पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने लाठी-डंडों से चाची मोहिनी पर हमला कर दिया। गंभीर चोटों के चलते मोहिनी की मौके पर ही मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही मंगलपुर थाना प्रभारी निरीक्षक महेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य संकलित किए।शुक्रवार सुबह क्षेत्राधिकारी डेरापुर राजीव सिरोही ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच की। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी कृष्ण घटना के बाद से फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें गठित की गई हैं, जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में घरेलू विवाद के चलते हत्या की बात सामने आई है।

प्रधान और सचिव की अनदेखी से सड़क पर जलभराव

» इंटरलॉक सड़क पर बह रहा घरों का पानी, फिसलन से आए दिन हो रहे हादसे

» ग्रामीण बोले शिकायतों के बाद भी नहीं बनी नाली, जिम्मेदार दे रहे हैं बहाने

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद विकास खंड क्षेत्र के ग्राम नैनपुर कसमड़ा में इंटरलॉक सड़क जलभराव की समस्या से जूझ रही है। गांव के मजरा कसमड़ा में साधन सहकारी समिति से लेकर राजू यादव के मकान तक मुख्य मार्ग पर घरों से निकलने वाला पानी लगातार बहता रहता है। निकासी की कोई व्यवस्था न होने के कारण सड़क अब तालाब का रूप ले चुकी है।स्थानीय लोगों का कहना है कि इस रास्ते से रोज सैकड़ों लोग गुजरते हैं, लेकिन फिसलन और पानी के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं।

कई बार शिकायत के बावजूद ग्राम प्रधान नरसिंह यादव और पंचायत सचिव अभिषेक पांडेय ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। सचिव अभिषेक पांडेय ने स्वीकार किया कि समस्या गंभीर है। उन्होंने बताया कि उन्होंने स्वयं स्थल का निरीक्षण किया है और ग्राम प्रधान से बात की थी, लेकिन आपसी विवाद का हवाला देकर काम नहीं हुआ। उन्होंने आश्वासन दिया कि शीघ्र ही नाली का निर्माण कर जल निकासी की समस्या का समाधान किया जाएगा। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे ब्लॉक मुख्यालय पर धरना देने को बाध्य होंगे।

शॉर्ट सर्किट से धधकी किराना दुकान, दस लाख का सामान जलकर राख

» उमरन गांव के पास देर रात लगी भीषण आग, मची अफरा-तफरी

» दो दमकल गाड़ियों ने मशक्कत के बाद पाया आग पर काबू

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। रनियां थाना क्षेत्र के उमरन गांव के पास गुरुवार की रात शॉर्ट सर्किट से एक परचून की दुकान में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते लपटों ने पूरे स्टोर को अपनी चपेट में ले लिया। आग की भयावहता इतनी थी कि आसपास के लोग मौके पर जुट गए, जबकि महिलाएं दुकान के मालिक का हाल देख रो पड़ीं। सूचना मिलते ही दो दमकल गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार, मददीपुरवा गांव निवासी जगदीश यादव की 'अंजलि किराना एवं जनरल स्टोर' नाम से नुर्रा गांव के पास हाईवे किनारे दुकान है, जिसे उनका बेटा अनुज संचालित करता है। रात करीब साढ़े दस बजे आसपास के लोगों ने दुकान से धुआं उठते देखा और फोन पर जगदीश को सूचना दी।जगदीश मौके पर पहुंचे तो दुकान जलकर खाक हो चुकी थी। फायर स्टेशन माती प्रभारी कपिल सिंह और रनियां थाना प्रभारी शिवनारायण सिंह टीम सहित पहुंचे और आग पर नियंत्रण पाया।जगदीश यादव ने बताया कि आग में लगभग 10 लाख रुपये का सामान और 75 हजार रुपये नकद जलकर राख हो गए।

घटना की सूचना शुक्रवार सुबह रनियां थाने में लिखित रूप से दी गई है।

यूपी पावर कार्पोरेशन लिमिटेड की वर्टिकल बिजली व्यवस्था: एक नया भ्रष्टाचार का मॉडल?

कानपुर, बरेली, मेरठ में फेल हुई व्यवस्था, अब लखनऊ, गाजियाबाद और नोएडा में लागू

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में वर्टिकल बिजली व्यवस्था का नया ड्रामा शुरु हो चुका है। अब, 1 नवंबर से लखनऊ, गाजियाबाद और नोएडा में यह नया मॉडल लागू होने जा रहा है, जबकि पहले इसे कानपुर, बरेली और मेरठ में लागू किया गया था, लेकिन वहां यह पूरी तरह से फेल हो चुका है।

इस नए सिस्टम के तहत, उपभोक्ता अब सीधे JE, SDO या श्वश से संपर्क नहीं कर पाएंगे। यानी, जो लोग बिजली का काम करते थे, वे अब उपभोक्ताओं के लिए बेमानी हो जाएंगे।

इसके बजाय, सभी शिकायतें सिंगल विंडो सिस्टम पर ही दर्ज होंगी। यह व्यवस्था उपभोक्ताओं के लिए सीधा संपर्क खत्म कर देती है और उन्हें एक ऐसी प्रणाली में फंसा देती है, जहां भ्रष्टाचार का खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

इस सिंगल विंडो सिस्टम में भ्रष्टाचार की संभावनाएं और भी बढ़ गई हैं। उपभोक्ताओं को अब किसी भी छोटी-बड़ी समस्या के समाधान के लिए अधिकारियों से संपर्क नहीं करना पड़ेगा, बल्कि सब कुछ एक केंद्रीय पोर्टल पर होगा। इससे अधिकारी मालामाल हो सकते हैं क्योंकि अब उन्हें अपनी मनमानी करने का पूरा मौका मिलेगा। पहले ही ऊर्जा राज्य मंत्री एके शर्मा ने इस सिस्टम की गड़बड़ी स्वीकार की थी, लेकिन सुधार के कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं।

क्या यह सिस्टम सुधार है या और भी बुरा हाल?

वर्तमान स्थिति को देखकर यह कहना मुश्किल नहीं कि यह यूपी में

बिजली विभाग का सुधार नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार का नया मॉडल बन गया है। उपभोक्ता पहले से ही महंगी बिजली दरों से परेशान थे,

अब यह नया सिस्टम उनके लिए और भी मुश्किलें पैदा कर सकता है।

अब सवाल यह है कि क्या यूपी पावर कार्पोरेशन लिमिटेड और सरकार इस सिस्टम को सुधारने के लिए कोई ठोस कदम उठाएंगे, या यह भ्रष्टाचार का एक और तरीका बनकर रह जाएगा?

यूपी में बिजली कनेक्शन महंगे होने से जनता में नाराजगी

» उपभोक्ता परिषद ने उठाई आवाज, योगी सरकार से तत्काल दखल की मांग

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। दीपावली के त्योहार पर जहां प्रदेशवासी रोशनी की तैयारी में जुटे हैं, वहीं बिजली विभाग की नई दरों ने उपभोक्ताओं की चिंताएं बढ़ा दी हैं। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन ने प्रदेश में नए बिजली कनेक्शन की दरों में 6 गुना तक वृद्धि कर दी है और साथ ही स्मार्ट प्रीपेड मीटर को अनिवार्य कर दिया है। इस निर्णय से आम जनता में भारी आक्रोश है।

पूर्व में जहां घरेलू उपभोक्ता को नया कनेक्शन लगभग 1032 में मिल जाता था, अब वही कनेक्शन 6176 से 6400 तक में दिया जा रहा है। इतना ही नहीं, कॉरपोरेशन के अधिकारियों के मुताबिक आने वाले समय में यह दर 8000 से 9000 तक पहुंच सकती है।

विद्युत उपभोक्ता परिषद ने इस मनमानी को विद्युत अधिनियम 2003 का उल्लंघन बताते हुए प्रदेश सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने गुरुवार को अपर मुख्य सचिव ऊर्जा नरेंद्र भूषण से मुलाकात कर पावर कॉरपोरेशन के आदेश को अवैधानिक बताया और एक विस्तृत प्रपत्र सौंपा।

परिषद का आरोप है कि पावर कॉरपोरेशन ने केंद्र सरकार की आरडीएसएस योजना के तहत उपभोक्ताओं के घरों में फ्री में लगाए जाने वाले स्मार्ट प्रीपेड मीटरों को नए कनेक्शन के नाम पर बेचकर करोड़ों रुपये वसूले हैं, जिससे न केवल जनता परेशान है बल्कि केंद्र सरकार की छवि भी धूमिल हो रही है।

अवधेश वर्मा ने कहा कि बिना नियामक आयोग की अनुमति के मीटर बदलना और दरें बढ़ाना उपभोक्ता अधिकारों का सीधा हनन है। दीपावली जैसे पावन पर्व पर इस तरह के आदेश से गरीब उपभोक्ताओं को बड़ा झटका लगा है।

अपर मुख्य सचिव ऊर्जा ने परिषद के प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया है और कहा है कि सरकार उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाएगी।

उधर, पूरे प्रदेश में इस मुद्दे को लेकर बिजली उपभोक्ताओं में जबरदस्त नाराजगी है। उपभोक्ता परिषद ने स्पष्ट किया है कि वह इस मामले में जल्द ही मुख्यमंत्री, ऊर्जा मंत्री और राज्यपाल से भी मुलाकात करेगी।

शामली में एक लाख के इनामी गैंगस्टर फैसल का हुआ एनकाउंटर

मेरठ जोन के एडीजी भानु भास्कर के निर्देशन में चल रहे ऑपरेशन के तहत जनपद शामली पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

शामली। अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में यूपी पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। मेरठ जोन के एडीजी भानु भास्कर के निर्देशन में चल रहे ऑपरेशन के तहत जनपद शामली पुलिस ने मुठभेड़ में एक लाख के इनामी कुख्यात बदमाश फैसल को मार गिराया।

मूल रूप से मेरठ के लिसाड़ी गेट का रहने वाला फैसल कुख्यात गैंगस्टर संजीव जीवा और पूर्वांचल के बाहुबली मुख्तार अंसारी गैंग से जुड़ा हुआ था। उस पर हत्या, लूट, रंगदारी और डकैती जैसे संगीन मामलों में करीब 24 मुकदमे दर्ज थे। पुलिस को लंबे समय से उसकी तलाश थी।जानकारी के अनुसार, फैसल शामली के मंगलौरा क्षेत्र में हत्या और महिलाओं से कुंडल लूट के मामलों में वांछित चल रहा था। शुक्रवार रात पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे रोकने की कोशिश की, जिस पर उसने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली लगने से फैसल मारा गया।

घटनास्थल से पुलिस ने एक बाइक, दो 32 बोर की पिस्टल और कई जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। मारा गया बदमाश मुजफ्फरनगर रेलवे स्टेशन पर पुलिस कस्टडी में आसिफ जादा नाम के बदमाश की सरेआम हत्या करने का भी आरोपी था।मेरठ जोन के एडीजी भानु भास्कर ने कहा कि पुलिस टीम ने बेहद साहसिक और सराहनीय कार्य किया है। अपराधियों को यह संदेश स्पष्ट है कि अपराध कर कानून से बच पाना अब असंभव है। प्रदेशभर में यूपी पुलिस का अभियान जारी है और अपराधियों पर लगातार शिकंजा कसा जा रहा है।

अक्षय नवमी पर अयोध्या में उमड़ेगा लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का सागर

कार्तिक माह में 14 कोसी और पंचकोशी परिक्रमा से जागृत होती है धर्मनगरी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। सनातन धर्म में कार्तिक मास को पुण्य और साधना का महीना कहा गया है। यह वही समय है जब श्रद्धा, आस्था और भक्ति अपने चरम पर होती है। दीपों की रौशनी में नहाई अयोध्या नगरी इन दिनों पूर्ण रूप से धार्मिक चेतना से आलोकित होती है। सरयू तट पर स्नान, दीपदान और परिक्रमा यही अयोध्या की पहचान है कार्तिक मास में। इस पवित्र माह में 14 कोसी और पंचकोशी परिक्रमा का विशेष महत्व है। लाखों की संख्या में श्रद्धालु हर वर्ष दूर-दूर से अयोध्या पहुंचते हैं, ताकि वे प्रभु श्रीराम की नगरी का परिक्रमा कर अपने जीवन को धन्य बना सकें।

फाइल फोटो

राम कचहरी चारों धाम मंदिर के स्वामी अवधेशानंदजी बताते हैं जो श्रद्धालु मथुरा या अयोध्या जैसे धार्मिक स्थलों पर नियमपूर्वक 14 कोसी या पंचकोशी परिक्रमा करते हैं, उन्हें सभी तीर्थों का फल एक साथ प्राप्त होता है। उनके जीवन से समस्त कष्ट दूर होते हैं और उन्हें मोक्ष का मार्ग प्राप्त होता है। परिक्रमा मार्ग पर लगे राम नाम के झंडे, सेवा में जुटे स्वयंसेवक, भंडारों की सुगंध, भक्ति गीतों की ध्वनि और सरयू किनारे टिमटिमाते दीप यह सब मिलकर ऐसा आध्यात्मिक वातावरण रचते हैं कि श्रद्धालु आत्मिक शांति में डूब जाते हैं। कार्तिक माह की ये परिक्रमाएं केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि अयोध्या की जीवित परंपरा हैं जो यह सिखाती हैं कि धर्म केवल पूजा नहीं, बल्कि आचरण और साधना का मार्ग है।

14 कोसी परिक्रमा का महत्व

हिंदू पंचांग के अनुसार अक्षय नवमी तिथि को 14 कोसी परिक्रमा प्रारंभ होती है। इस वर्ष यह परिक्रमा 29 अक्टूबर की रात्रि 4:51 से प्रारंभ होकर 30 अक्टूबर तड़के 4 बजे तक चलेगी। करीब 42 किलोमीटर की यह परिक्रमा अयोध्या की सांस्कृतिक सीमा के चारों ओर की जाती है। श्रद्धालु सरयू नदी में स्नान कर 'जय श्रीराम' का उद्घोष करते हुए पैदल यात्रा आरंभ करते हैं। पूरे मार्ग पर भजन, कीर्तन और रामनाम का अखंड संकीर्तन वातावरण को पवित्र बनाता है।

देवउठनी एकादशी के पावन दिन पंचकोशी परिक्रमा का आयोजन होता है। यह परिक्रमा इस वर्ष 31 अक्टूबर की रात्रि 12:04 से आरंभ होकर 1 नवम्बर की रात्रि 2:57 तक चलेगी। लगभग 15 किलोमीटर की यह यात्रा अयोध्या धाम के हृदय क्षेत्र में होती है। इसे मोक्षदायिनी परिक्रमा कहा गया है, क्योंकि इसकी पूर्णता से मनुष्य के समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं।

रामनगरी में पुलिस की बर्बरता, प्रसाद बेचने वाले पर टूटा सिपाही का कहर

सिपाही ने ठेला पलटा, स्थानीय लोगों ने बनाया वीडियो वायरल हुआ पुलिस की बर्बरता का सबूत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। भगवान राम की नगरी में एक बार फिर इंसानियत शर्मसार हुई है। राम जन्मभूमि के निकास द्वार के पास ठेले पर प्रसाद बेच रहे एक गरीब युवक को पुलिस सिपाही ने बेरहमी से पीटा, उसका ठेला पलट दिया और सारी मेहनत पलभर में मिट्टी में मिला दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, राम जन्मभूमि सुरक्षा में तैनात सिपाही अनूप पांडेय ने बिना किसी ठोस कारण के ठेले वाले को जमकर पीटा और उसका प्रसाद ठेला उलट दिया। ठेले पर रखे मिठाई, प्रसाद और नकदी सब कुछ बिखर गया, जिससे गरीब युवक को हजारों रुपये का नुकसान हुआ।

स्वराज इंडिया Xक्लूसिव

घटना के दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने इस बर्बरता का वीडियो बनाया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। हालाकि स्वराज इंडिया इस वीडियो की पुष्टि नही करता है। वीडियो में स्पष्ट दिख रहा है कि सिपाही वर्दी में है और ठेले को पलटते हुए गरीब युवक पर चिल्ला रहा है। वीडियो के बैकग्राउंड में लोग कहते सुने जा सकते हैं अरे क्या कर रहे हैं साहब, गरीब आदमी है...! यह पूरा मामला श्रीराम अस्पताल के निकास द्वार का बताया जा रहा है। यानी वही क्षेत्र, जो राम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा सीमा में आता है। सवाल यह है जो सिपाही मंदिर सुरक्षा के लिए तैनात है, वही अगर गरीब पर अन्याय करेगा, तो सुरक्षा का अर्थ क्या रह जाएगा? इस घटना ने अयोध्या पुलिस की छवि को गहरा आघात पहुँचाया है। जहाँ एक ओर प्रशासन रामनगरी को शांति और मर्यादा की मिसाल बताता है, वहीं दूसरी ओर एक सिपाही का बर्बर चेहरा सब पर भारी पड़ रहा है। घटना के बाद जनमानस में आक्रोश है। लोग सोशल मीडिया पर मांग कर रहे हैं कि सिपाही अनूप पांडेय को तुरंत निलंबित कर निष्पक्ष जांच कराई जाए।

अयोध्या में स्मैक रानी गिरफ्तार

53 ग्राम स्मैक बरामद

» कोतवाली पुलिस की सटीक कार्रवाई, नशे के नेटवर्क की परतें खुलने की उम्मीद

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी की पावन धरती पर एक बार फिर नशे का काला साया मंडराता दिखा। थाना कोतवाली पुलिस ने नशे के खिलाफ चल रहे विशेष अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस टीम ने 53 ग्राम स्मैक के साथ एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है, जो लंबे समय से नशे के कारोबार से जुड़ी बताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार सुबह, परिक्रमा मार्ग पर कोतवाली पुलिस की निगाह एक संदिग्ध महिला पर पड़ी। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार शर्मा के नेतृत्व में गठित टीम ने बड़ी छावनी मोड़ पर घेराबंदी की और संदिग्ध महिला को पकड़ लिया। तलाशी में उसके पास से 53 ग्राम स्मैक बरामद हुई।

गिरफ्तार महिला की पहचान सावित्री सोनी पत्नी बसंत सोनी, निवासी ब्लॉक नंबर 64, कमरा नंबर 1021, काशीराम कॉलोनी, थाना कोतवाली अयोध्या के रूप में हुई। पुलिस का मानना है कि सोनी नशे के एक स्थानीय नेटवर्क का हिस्सा है, जो अयोध्या के गरीब इलाकों में युवाओं को फंसा रहा था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव ग्रोवर अयोध्या के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक नगर चक्रपाणी त्रिपाठी व क्षेत्राधिकारी अयोध्या की निगरानी में हुई इस कार्रवाई ने नशे के कारोबारियों में हडकंप मचा दिया है। कोतवाली पुलिस ने इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपी महिला को न्यायालय के समक्ष पेश किया। एसएसपी ने कहा है कि नशे के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

आईएसआईएस मॉड्यूल का पर्दाफाश, स्पेशल सेल ने किए दो आतंकी दबोचे

दोनों संदिग्ध फिदायीन हमलों की ले रहे थे ट्रेनिंग

» एक आतंकी दिल्ली और दूसरा भोपाल से अरेस्ट।

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। राजधानी में आईएसआईएस के एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में दो संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से एक दिल्ली का निवासी है और दूसरा मध्य प्रदेश का रहने वाला है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ये दोनों कथित तौर पर फिदायीन हमलों की ट्रेनिंग ले रहे थे।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आईएसआईएस के दो आतंकियों को पकड़ा है। दिल्ली पुलिस ने एक आतंकी को दिल्ली से ओर दूसरे को भोपाल से गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से काफी आपत्तिजनक सामान बरामद किया है। दिल्ली पुलिस दोपहर एक बजे प्रेस वार्ता कर इसका खुलासा करेगी।

दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए आईएसआईएस के एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। सेल ने दो संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है, जो फिदायीन हमले की ट्रेनिंग ले रहे थे। गिरफ्तार किए गए आतंकवादियों में से एक दिल्ली का रहने वाला बताया जा रहा है। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल को खुफिया जानकारी मिली थी कि कुछ संदिग्ध आतंकी राजधानी में बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। इस सूचना के आधार पर, स्पेशल सेल की टीमों ने जाल बिछाया और दो संदिग्धों को धर दबोचा। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ये दोनों आईएसआईएस के मॉड्यूल से जुड़े थे और फिदायीन हमलों के लिए विशेष प्रशिक्षण ले रहे थे। इनकी गिरफ्तारी से एक बड़े आतंकी हमले को टालने में सफलता मिली है।

सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आतंकी दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में अपनी गतिविधियों को संचालित कर रहे थे। वे न केवल आत्मघाती हमलों की योजना बना रहे थे। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल अपनी सक्रियता और सटीक खुफिया जानकारी के दम पर ऐसे कई अभियानों को सफलतापूर्वक अंजाम दे चुकी है। इन गिरफ्तारियों से एक बार फिर यह स्पष्ट हो गया है कि आतंकी संगठन लगातार अपनी रणनीतियों में बदलाव कर रहे हैं और युवाओं को बहकाकर अपने नापाक मंसूबों को पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं।

मदरसे में 13 साल की छात्रा से मांगा वर्जिनिटी सर्टिफिकेट, काटा नाम

मेडिकल रिपोर्ट लाने से किया था इनकार

शर्मनाक

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

मुरादाबाद। मुरादाबाद के पाकबड़ा थाना इलाके के दिल्ली रोड स्थित एक मदरसे में 13 वर्षीय छात्रा से वर्जिनिटी सर्टिफिकेट मांगने का शर्मशार करने वाला मामला सामने आया है। आरोप है कि मेडिकल रिपोर्ट लाने से इनकार करने पर छात्रा का नाम काटकर परिजनों को टीसी थमा दी गई।

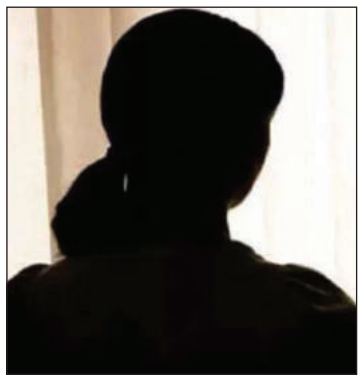

मदरसे ने एडमिशन के समय ली गई फीस भी वापस नहीं की। शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। चंडीगढ़ निवासी व्यक्ति ने मुरादाबाद के एसएसपी सतपाल अंतिल को शिकायती पत्र देकर बताया कि उनकी 13 वर्षीय बेटी पाकबड़ा के लोधीपुर स्थित एक मदरसे में पढ़ती थी।

उन्होंने वर्ष 2024 में बेटी को सातवीं कक्षा में दाखिला दिलाया था और एडमिशन के नाम पर 35 हजार रुपये जमा कराए थे। इस साल बेटी ने सातवीं पास की और आठवीं में प्रवेश होना था।

शिकायतकर्ता के अनुसार, पत्नी के मायके प्रयागराज जाने के कारण 16 जुलाई को बेटी को कुछ दिनों के लिए घर बुला लिया गया था। जब पत्नी 21 अगस्त को बेटी को मदरसे में वापस छोड़ने गईं तो वहां मौजूद प्रिंसिपल और एडमिशन इंचार्ज ने प्रवेश देने से इनकार कर दिया।

आरोप है कि उन्होंने कहा कि पहले मेडिकल कराकर बेटी का वर्जिनिटी सर्टिफिकेट लेकर आने को कहा। नाबालिग छात्रा की मां के विरोध करने पर मदरसे के कर्मचारियों ने गाली-गलौज की और दोबारा आने के लिए मना कर दिया।

इसके बाद उन्हें टीसी थमा दी गई। कई बार गुहार लगाने के बाद भी छात्रा को दोबारा दाखिला नहीं दिया गया। मजबूर होकर पीड़िता के पिता ने एसएसपी से शिकायत की। एसएसपी ने पाकबड़ा थाना प्रभारी को मामले की जांच सौंपी है।

एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि चंडीगढ़ निवासी व्यक्ति ने मदरसे के खिलाफ शिकायत दी है। इस प्रकरण की गंभीरता से जांच कराई जा रही है। जो तथ्य सामने आएंगे उनके आधार पर कार्रवाई की जाएगी। उधर, मदरसे की तरफ से इस मामले को बेबुनियाद बताया गया है।

लोगों को बरगलाकर करोड़ों रुपये ठगने का आरोप

श्रेयस-आलोक नाथ के खिलाफ बागपत में दर्ज हुई एफआईआर

दोनों सितारों के अलावा 22 अन्य लोगों को आरोपी बनाया

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

बागपत। बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर आलोक नाथ और श्रेयस तलपड़े कानूनी पचड़े में फंस गए हैं। उत्तर प्रदेश के बागपत में दोनों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने एफआईआर में इन दोनों सितारों के अलावा 22 अन्य लोगों को आरोपी बनाया है। इन पर लोनी अर्बन मल्टी-स्टेट क्रेडिट एंड थ्रिफ्ट कोऑपरेटिव सोसाइटी में इन्वेस्टमेंट के नाम पर धोखाधड़ी का आरोप है। श्रेयस तलपड़े और आलोक नाथ इस सोसाइटी के ब्रांड एंबेसडर थे।

बागपत पुलिस स्टेशन में स्थानीय निवासी बबली की शिकायत पर यह मामला दर्ज किया गया है। इसमें कथित तौर पर कहा गया है कि आलोक नाथ और श्रेयस तलपड़े समेत अन्य आरोपी द लोनी अर्बन मल्टीस्टेट क्रेडिट एंड थ्रिफ्ट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड नाम की एक कंपनी चला रहे थे, जो गांव के लोगों को उनके निवेश पर आकर्षक रिटर्न का वादा करती थी। बताया जाता है मामले में 500 से अधि?क लोगों से करीब 5 करोड़ रुपये की उगाही हुई।

कंपनी ने लोगों से कहा- कम समय में दोगुना होगा पैसा

श्रेयस तलपड़े और आलोक नाथ लंबे समय से इस मामले में शामिल हैं। अब तक इस मामले में पहले भी कई एफआईआर दर्ज करवाई जा चुकी है। आरोप है कि इस कंपनी के एजेंटों ने लोगों को यह भरोसा देकर लुभाया कि उनका पैसा कम समय में दोगुना हो जाएगा। हालांकि, करोड़ों रुपये इकट्ठा करने के बाद, कंपनी ने कथित तौर पर अपना कामकाज बंद कर दिया और फरार हो गई।

इसी साल जुलाई महीने में, सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में श्रेयस तलपड़े को राहत देते हुए उनकी गिरफ्तारी पर रोक को लेकर एक अंतरिम आदेश पारित किया था। वैसे, धोखाधड़ी का एक अन्य मामला श्रेयस तलपड़े और आलोक नाथ पर चला है। इससे पहले दोनों एक्टर्स और 11 अन्य लोगों को हरियाणा के सोनीपत में एक मल्टी-लेवल मार्केटिंग धोखाधड़ी मामले में आरोपी बनाया गया था।

वर्कफ्रंट की बात करें तो श्रेयस तलपड़े जल्द ही फिल्म सिंगल सलमा में हुमा कुरैशी और सनी सिंह के साथ नजर आएंगे। यह फिल्म 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कहानी एक 33 साल की सलमा रिजवी (हुमा कुरैशी) की है, जो सिकंदर (श्रेयस तलपड़े) के साथ अरेंज मैरिज करके घर बसाना चाहती है, लेकिन तभी उसकी जिंदगी में लंदन वाला मीत (सनी सिंह) आ जाता है।